No. of Printed Pages : 03 **Roll No. .....**

51696

M.A. (Hindi) EXAMINATION, 2026

(Fourth Semester)

(Re-appear Only)

पाश्चात्य काव्यशास्त्र के सिद्धांत

Time : 3 *Hours*] [*Maximum Marks :* 80

Before answering the question-paper, candidates must ensure that they have been supplied with correct and complete question-paper. No complaint, in this regard will be entertained after the examination.

नोट : आलोचनात्मक प्रश्न खण्ड में कुल आठ प्रश्न हैं। प्रत्येक इकाई से कम से कम **एक** प्रश्न का उत्तर अनिवार्य है । किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 16 अंक का है । लघु-उत्तरीय प्रश्न खण्ड में दिए गए प्रश्नों में से किन्हीं **चार** का उत्तर प्रत्येक लगभग **250** शब्दों में दीजिए । प्रत्येक 4 अंक का है ।

खण्ड 'अ'

(आलोचनात्मक प्रश्न) **4×16=64**

इकाई I

1. अरस्तू के विवेचन (Catharsis) सिद्धांत की व्याख्या एवं आलोचना कीजिए ।

2. प्लेटो और लॉन्जिनस की काव्य-दृष्टि में अंतर स्पष्ट कीजिए ।

3. होरेस के अनुसार कवि की भूमिका क्या होनी चाहिए ?

इकाई II

4. अभिव्यंजनावाद सिद्धांत की विशेषताएँ लिखिए ।

5. वड्र्सवर्थ और कोलरिज के काव्य-सिद्धांत की तुलना कीजिए ।

6. इलियट के निर्वैयक्तिकता सिद्धांत की उपयोगिता एवं सीमाएँ लिखिए ।

इकाई III

7. मार्क्सवादी आलोचना और मनोविश्लेषणवादी आलोचना की तुलना कीजिए ।

8. शैलीविज्ञान आलोचना की पद्धति एवं महत्व पर प्रकाश डालिए ।

खण्ड 'ब'

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

नोट : किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : **4×4=16**

1. उदात्त सिद्धांत का अर्थ लिखिए ।

2. आर्नल्ड के 'हाई सीरियसनेस' की व्याख्या ।

3. रिचड्र्स के 'ऑर्गनाइजेशन ऑफ इंपल्स' पर टिप्पणी लिखिए ।

4. अस्तित्ववाद में 'एब्सर्डिटी' की अवधारणा ।

5. न्यू क्रिटिसिज्म की मुख्य विशेषताएँ ।

6. प्लेटो के काव्य-विरोध के कारण बताइए ।

❖❖❖❖❖❖❖